

वाइड एंड अल्ट्रावाइड बैंडगैप डिवाइसेज एंड एप्लिकेशन्स पर कार्यशाला का आयोजन

सेमिकंडक्टर क्षेत्र में शोध गतिविधियों पर मंथन

पिलानी (बाबूलाल घोषलिया/ मृदुल पत्रिका)। भारत सरकार के विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन सेवारत संस्था साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एस ई आर बी) एवं सेमिकंडक्टर सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की शृंखला में सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में देशभर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से एम टेक एवं पी एच डी कर रहे कुल 32 प्रतिभागियों का चयन किया गया था। इसके अलावा संस्थान के 35 वैज्ञानिक एवं तकनीकी कर्मियों, शोधार्थी छात्र-छात्राओं ने इस कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला की अध्यक्षता डॉ सुचंदन पाल, मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख सेमिकंडक्टर, सेसर्स एवं माइक्रोसिस्टम्स समूह ने की। इस अवसर पर सॉलिड स्टेट फिजिक्स लैब (डीआरडीओ), नई दिल्ली के उत्कृष्ट वैज्ञानिक (वैज्ञानिक एच) डॉ डी एस रावल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए डॉ सुचंदन पाल, मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख सेमिकंडक्टर, सेसर्स एवं माइक्रोसिस्टम्स समूह ने सभी अतिथियों, संकाय सदस्यों व प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत किया तथा उन्हें कार्यशाला की सौख्य रूपरेखा से अवगत कराया।



उन्होंने अपने आरंभिक संबोधन में उपस्थित प्रतिभागियों एवं सहकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने संस्थान में सेमिकंडक्टर इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में की जा रही शोध गतिविधियों पर संक्षेप में प्रकाश डाला। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी प्रतिभागी इस कार्यशाला से लाभान्वित होंगे।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि डॉ डी एस रावल ने 'एन एडवांस

इंडीजनेस गैलियम नाइट्राइड एच ई एम टी डिवाइस टेक्नोलॉजी फॉर एक्स / केयू बैंड एम एम आई सी एप्लिकेशन्स' विषय पर अपने की-नोट व्याख्यान में गैलियम नाइट्राइड एचईएमटी टेक्नोलॉजी एवं एमएमआईसी के विविध पहलुओं पर प्रकाश डाला। अपने व्याख्यान में उन्होंने प्रयोगशाला एसएसपीएल द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी दी। हाइब्रिड माध्यम से

आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागियों एवं संस्थान के वैज्ञानिकों, तकनीकी कर्मियों एवं शोधार्थियों के लाभार्थ महत्वपूर्ण व्याख्यान दिए गए। डॉ इब्राहिम खलील, निदेशक एवं आर एंड डी स्टाफ प्रमुख, एन एक्स पी सेमिकंडक्टरर्स, यू एस ए द्वारा गैलियम नाइट्राइड टेक्नोलॉजी फॉर आर एफ एप्लिकेशन्स; डॉ जमील अख्तर, पूर्व मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीरी द्वारा सिलिकॉन कार्बाइड डिवाइस टेक्नोलॉजी, डिजाइन एंड प्रोसेसिंग; डॉ दीपांकर साहा, प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, आईआईटी-मुंबई द्वारा गैलियम नाइट्राइड बेस्ड एचईएमटी एंड एम एम आई सी; डॉ अंकुश बाग, प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, आईआईटी-गुवाहाटी द्वारा गैलियम ऑक्साइड फॉर नेक्स्ट जेनरेशन पावर डिवाइसेज, संदीप एम. सिंह, शोधकर्ता, टिंडाल नेशनल इंस्टीट्यूट, आयरलैंड द्वारा प्रेपरेशन

एंड कैरिबेराइजेशन ऑफ एल्यूमीनियम गैलियम नाइट्राइड स्ट्रक्चर फॉर यूवी-ए एलईडीज तथा बिट्स-पिलानी के इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर राहुल कुमार द्वारा प्रॉमिसेज, प्राब्लम्स एंड पाथ-अहेड फॉर गैलियम ऑक्साइड इलेक्ट्रॉनिक्स विषयों पर रोचक एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिए गए। व्याख्यान के उपरांत वक्ताओं को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ निधि चतुर्वेदी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक ने सभी अतिथि वक्ताओं एवं प्रतिभागियों के प्रति औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया। मीडिया को कार्यक्रम की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पीएचडी शोध छात्रों एवं शिक्षकों को वाइड एवं अल्ट्रावाइड बैंडगैप सेमिकंडक्टर डिवाइसेज और उनके अनुप्रयोगों पर विषय-केंद्रित व्याख्यान एवं प्रशिक्षण देते हुए उन्हें इस विषय की अत्याधुनिक जानकारी देना और सेमिकंडक्टर उद्योग के लिए कुशल जनशक्ति और नवीन विशेषज्ञ तैयार करते हुए देश में चल रही सेमिकंडक्टर क्रांति में योगदान देना है। उन्होंने बताया कि सेमिकंडक्टर विश्वभर में अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है और देश को सेमिकंडक्टर क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए इस प्रकार की कार्यशालाओं का नियमित रूप से आयोजन किया जाना अत्यंत आवश्यक है। कार्यशाला का संचालन पीएचडी छात्रा सुश्री अलीशा राजत ने किया।